



Mr. Jatin



Ms. Pratibha

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119399201

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
29-30/10/1987 :	जन्म तिथि	: 23/04/1988
गुरु-शुक्रवार :	दिन	: शनिवार
घंटे 05:00:00 :	जन्म समय	: 21:55:00 घंटे
घटी 55:53:55 :	जन्म समय(घटी)	: 39:46:00 घटी
India :	देश	: India
Ajmer :	स्थान	: Itarsi
26:29:00 उत्तर :	अक्षांश	: 22:39:00 उत्तर
74:40:00 पूर्व :	रेखांश	: 77:48:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:31:20 :	स्थानिक संस्कार	: -00:18:48 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
06:38:25 :	सूर्योदय	: 05:52:21
17:50:52 :	सूर्यास्त	: 18:42:15
23:41:12 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:41:39
कन्या :	लग्न	: वृश्चिक
बुध :	लग्न लग्नाधिपति	: मंगल
मकर :	राशि	: कर्क
शनि :	राशि-स्वामी	: चन्द्र
श्रवण :	नक्षत्र	: पुष्य
चन्द्र :	नक्षत्र स्वामी	: शनि
2 :	चरण	: 2
शूल :	योग	: शूल
बव :	करण	: विष्टि
खू-खूबचन्द :	जन्म नामाक्षर	: हे-हेमा
वृश्चिक :	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: वृष
वैश्य :	वर्ण	: विप्र
जलचर :	वश्य	: जलचर
वानर :	योनि	: मेष
देव :	गण	: देव
अन्त्य :	नाड़ी	: मध्य
मार्जार :	वर्ग	: मेष

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी
चन्द्र 5वर्ष 7मा 26दि
गुरु

26/06/2018

26/06/2034

गुरु	13/08/2020
शनि	24/02/2023
बुध	01/06/2025
केतु	08/05/2026
शुक्र	06/01/2029
सूर्य	25/10/2029
चन्द्र	24/02/2031
मंगल	31/01/2032
राहु	26/06/2034

अंश

19:40:14
12:19:12
15:47:34
19:57:27
08:36:28
29:28:32
00:06:42
24:39:59
08:12:39
08:12:39
00:25:28
12:02:09
16:03:32

राशि

कन्या
तुला
मक
कन्या
तुला व
मीन व
वृश्चि
वृश्चि
मीन
कन्या
धनु
धनु
तुला

ग्रह

लग्न
सूर्य
चंद्र
मंगल
बुध
गुरु
शुक्र
शनि व
राहु व
केतु व
हर्ष व
नेप व
प्लूटो व

राशि

वृश्चि
मेष
कर्क
मक
मेष
मेष
वृष
धनु
कुंभ
सिंह
सिंह
धनु
धनु
तुला

अंश

23:18:09
10:01:55
07:13:47
17:32:51
13:33:24
16:46:11
23:57:46
08:43:45
28:34:21
28:34:21
07:12:10
16:27:35
17:42:58

विंशोत्तरी

शनि 13वर्ष 5मा 11दि
केतु

04/10/2018

04/10/2025

केतु	03/03/2019
शुक्र	02/05/2020
सूर्य	06/09/2020
चन्द्र	08/04/2021
मंगल	04/09/2021
राहु	22/09/2022
गुरु	29/08/2023
शनि	07/10/2024
बुध	04/10/2025

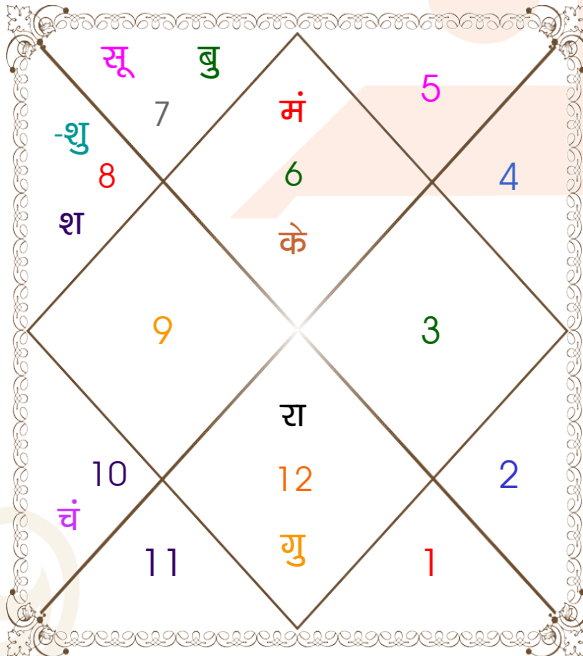
व - वकी स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

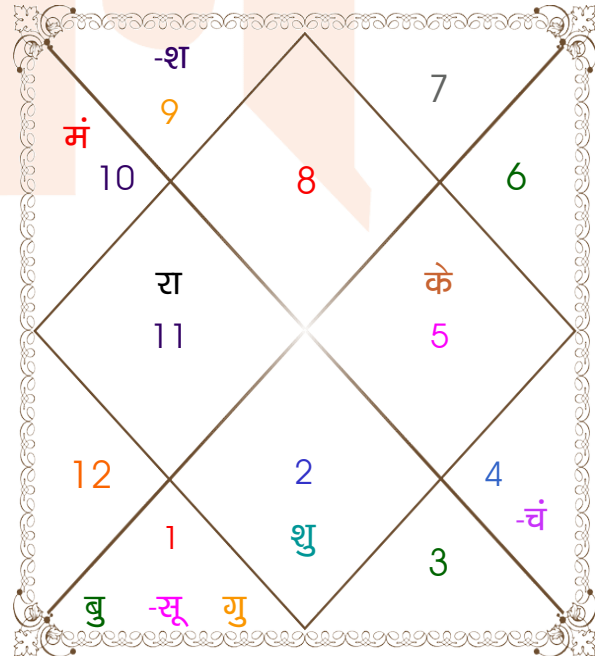
राहु : स्पष्ट

23:41:12 चित्रपक्षीय अयनांश 23:41:39

लग्न-चलित



लग्न-चलित



Shri Dadaji Jyotish kendra

Shop No 05, Sanskrit Mahavidyalaya Parisar Itarsi

8871726789

dadajijyotishkendra@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

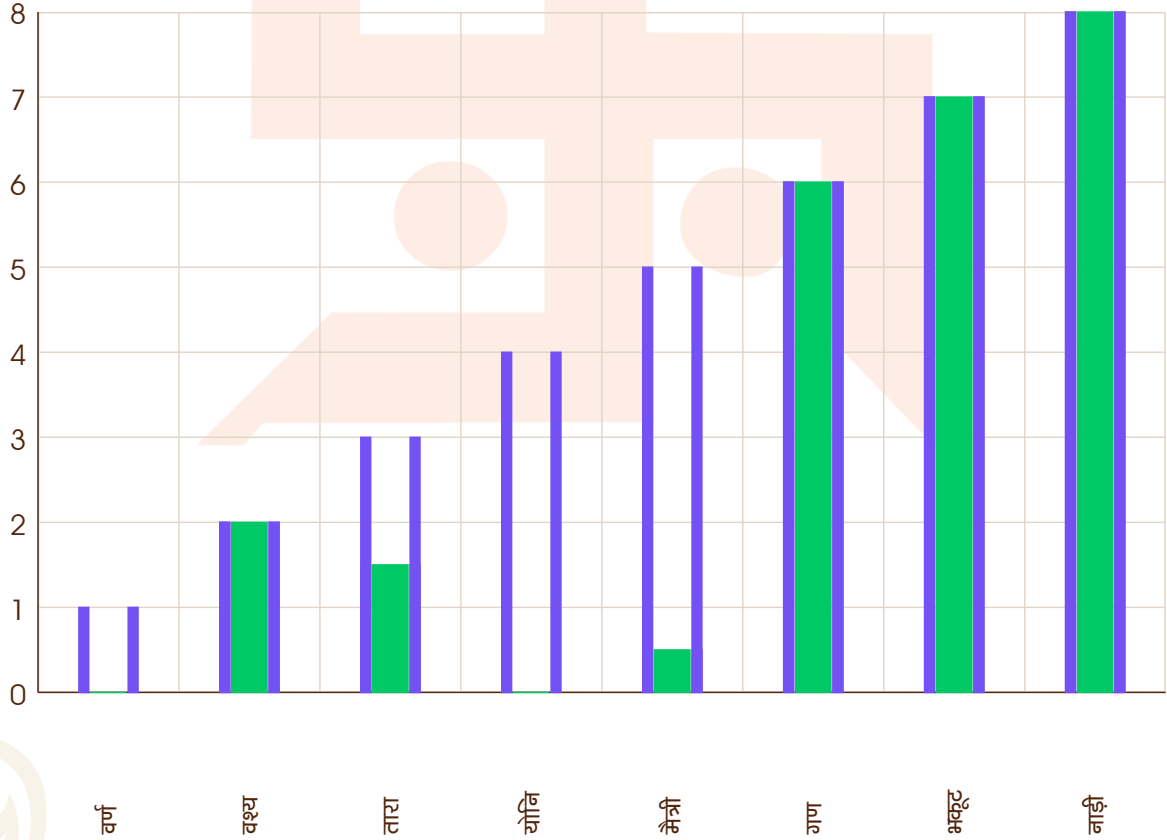
कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	जलचर	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	वानर	मेष	4	0.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	चन्द्र	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	कर्क	7	7.00	--	जीवन शैली
नाडी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान

कुल :

36

25.00

कुल : 25 / 36



Shri Dadaji Jyotish kendra

Shop No 05, Sanskrit Mahavidyalaya Parisar Itarsi

8871726789

dadajijyotishkendra@gmail.com

अष्टकूट मिलान

Mr. Jatin का वर्ग मार्जार है तथा डेण चंजपड़ी का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. Jatin और डेण चंजपड़ी का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. Jatin मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

डेण चंजपड़ी मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहु त्रिषट् एकादशे शनिः।

त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल डेण चंजपड़ी की कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. Jatin तथा डेण चंजपड़ी में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Mr. Jatin का वर्ण वैश्य है तथा डेण चंजपड़ी का वर्ण ब्राह्मण है। क्योंकि डेण चंजपड़ी का वर्ण Mr. Jatin के वर्ण से ऊँचा है जिसके कारण यह अच्छा मिलान नहीं है। डेण चंजपड़ी अति अहंकारी, शाहखर्च एवं दिखावा करने वाली होगी। डेण चंजपड़ी को हमेशा यह महसूस होता रहेगा कि उसका पति निम्न दर्जे का है तथा बहुत कम कमाता है। इस कारण से उसमें निराशा की भावना घर कर कर सकती है।

वश्य

Mr. Jatin का वश्य जलचर है एवं डेण चंजपड़ी का वश्य भी जलचर है अर्थात् दोनों का वश्य समान ही है। जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। दोनों की शारीरिक स्थिति, स्वभाव, पसंद एवं नापसंद एक ही तरह के होंगे। दोनों के बीच अगाध प्रेम एवं सौहार्द बना रहेगा तथा समान दृष्टिकोण, व्यवहार एवं आपसी समझ होने के कारण एक-दूसरे के साथ सुखी जीवन व्यतीत करेंगे। ऐसा प्रतीत होगा कि दोनों एक-दूजे के लिए ही बने हुए हैं तथा एक-दूसरे के साथ का आनंद लेते रहेंगे। दोनों एक-दूसरे के कामों में मदद करते रहेंगे तथा परिवार की प्रगति एवं समृद्धि में महती योगदान देंगे।

तारा

Mr. Jatin की तारा साधक तथा डेण चंजपड़ी की तारा प्रत्यरि है। डेण चंजपड़ी की तारा प्रत्यरि होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। संभाव है कि यह विवाह Mr. Jatin एवं उसके परिवार के लिए हानिकारक साबित हो। डेण चंजपड़ी का स्वभाव बिल्कुल लापरवाह, स्वार्थी एवं असहयोग की भावना वाली हो सकती है तथा भविष्य में अपने स्वार्थ की पूर्ति करने में ही लगी रह सकती है। साथ ही डेण चंजपड़ी के अवैध संबंध तक भी हो सकते हैं जिसके फलस्वरूप पति, बच्चों एवं संपूर्ण परिवार को काफी कष्ट एवं पीड़ा का सामना कर पड़ सकता है। Mr. Jatin अत्यधिक आध्यात्मिक हो सकता है तथा अपना अधिकांश समय आध्यात्मिक गतिविधियों में ही व्यतीत करता रहेगा।

योनि

Mr. Jatin की योनि वानर है तथा डेण चंजपड़ी की योनि मेष है। अर्थात् दोनों की योनि समान नहीं है। इन दोनों योनि के बीच परस्पर शत्रुता का संबंध है। अतः यह मिलान बहुत बुरा मिलान ही रहेगा। जिसके कारण दोनों के बीच अक्सर घरेलू हिंसा होती रहेगी। समय-समय पर एक दूसरे पर आघात भी कर सकते हैं। दोनों के बीच प्रेम एवं सौहार्द का अभाव बना रहेगा। दोनों के बीच परस्पर संदेह की भावना बनी रहगी। वैवाहिक जीवन में स्थिति मुकदमेबाजी तक भी जा सकती है। दोनों के बीच अलगाव की चाह भी हो सकती है। एक घर में रहकर स्थिति तलाक जैसी बनी रह सकती है। परस्पर अविश्वास की भावना के कारण वैवाहिक जीवन संघर्षपूर्ण व कलेशपूर्वक बीतने की संभावना है। अतः अपने वैवाहिक जीवन को बचाये

रखने के लिए दोनों को परस्पर विश्वास व सहयोग की आवश्यकता है अन्यथा घरेलू हिंसा होने के कारण चोट भी लग सकती है। वैचारिक मतभेदों को बुद्धि बल तथा समझदारी से निपटाना चाहिये अन्यथा लड़ाई झगड़े से किसी भी समस्या का हल निकाल पाना असंभव है।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Mr. Jatin का राशि स्वामी डेण चंजपड़ी के राशि स्वामी से शत्रु का संबंध रखता है। जबकि डेण चंजपड़ी का राशि स्वामी Mr. Jatin के राशि स्वामी के साथ सम रहता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए शत्रु किंतु दूसरा उसे सम मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

गण

Mr. Jatin का गण देव तथा डेण चंजपड़ी का गण भी देव है। अर्थात् दोनों का गण समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके प्रभाववश दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं संवेदनशील स्वभाव के होंगे। साथ ही दोनों एक-दूसरे के अति अनुकूल होंगे तथा एक-दूसरे का काफी ख्याल रखने वाले होंगे। ऐसी स्थिति में वैवाहिक संबंध के उपरान्त शांति, सुख, खुशहाली एवं समृद्धि हमेशा कदम चूमती रहेगी।

भकूट

Mr. Jatin एवं डेण चंजपड़ी की राशियां एक दूसरे से सम सप्तक (1/7) हैं। जिसके कारण इस मिलान को अति उत्तम मिलान माना जाता है। ज्योतिष की दृष्टि से यह मिलान अति शुभ है तथा Mr. Jatin व डेण चंजपड़ी को शांति, सुख, सौभाग्य, समृद्धि, योग्य संतान एवं चतुर्दिक विकास के अवसरसमय-समय पर मिलते रहेंगे। साथ ही दोनों के बीच असीम प्यार बना रहेगा तथा दोनों हर कार्य में एक-दूसरे की मदद करते रहेंगे।

नाड़ी

Mr. Jatin की नाड़ी अन्त्य है तथा डेण चंजपड़ी की नाड़ी मध्य है। अर्थात् दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात् यह मिलान अति उत्तम मिलान है। अन्त्य एवं मध्य नाड़ी दो महत्वपूर्ण जीवनी शक्तियाँ पित्त एवं कफ की कारक हैं। जिसके कारण दम्पति का परस्पर प्रेम, अनुकूलता, अच्छा भविष्य, सहयोग की भावना बनी रहेगी। आपकी संतान शक्तिशाली, बुद्धिमान, आज्ञाकारी एवं भाग्यशाली होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

Mr. Jatin की जन्म राशि पृथ्वी तत्व युक्त मकर तथा डेण च्त्तंजपड़ी की जन्म राशि जलतत्व युक्त कर्क राशि है। जल एवं पृथ्वी तत्व में नैसर्गिक समानता होने के कारण Mr. Jatin और डेण च्त्तंजपड़ी में स्वभावगत समानताएं विद्यमान होंगी जिससे आपसी संबंध मधुर रहेंगे तथा वैवाहिक जीवन सुख पूर्वक व्यतीत होगा। अतः यह मिलान सामान्य रहेगा।

Mr. Jatin की राशि का स्वामी शनि तथा डेण च्त्तंजपड़ी की राशि का स्वामी चन्द्रमा परस्पर सम एवं शत्रु हैं। अतः इसके प्रभाव से यदा कदा आपसी संबंधों में मतभेद तथा विरोध का भाव उत्पन्न होगा। साथ ही एक दूसरे के गुणों की अपेक्षा कमियों पर विशेष ध्यान केन्द्रित रहेंगे जिससे संबंधों में तनाव तथा कटुता का भाव उत्पन्न होगा। Mr. Jatin और डेण च्त्तंजपड़ी की परस्पर प्रवृत्ति श्रेष्ठता तथा आलोचना की रहेगी जिससे भी अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न होंगी तथा वैवाहिक जीवन में विषमता का सामना करना पड़ेगा।

Mr. Jatin और डेण च्त्तंजपड़ी की राशियाँ परस्पर सप्तम भाव में पड़ती है शास्त्रानुसार यह शुभ भकुट माना जाता है। इसके प्रभाव से उपरोक्त अशुभ प्रभावों में न्यूनता आएगी तथा शुभ प्रभावों में वृद्धि होगी। साथ ही एक दूसरे के प्रति मन में प्रेम सहयोग तथा सहानुभूति का भाव उत्पन्न होगा एवं परस्पर सुख दुख में पूर्ण सहयोग करने के लिए तत्पर होंगे। आप दूसरे के अस्तित्व को सम्मानजनक ढंग से स्वीकार करेंगे तथा एक दूसरे के मामलों में हस्तक्षेप कम ही करेंगे। अतः परस्पर दाम्पत्य संबंधों में मधुरता में वृद्धि तथा वैवाहिक जीवन की सुखद क्षणों की अनुभूति करने में सफल होंगे।

Mr. Jatin और डेण च्त्तंजपड़ी दोनों का वश्य जलचर है। अतः इसके प्रभाव से इनकी अभिरुचियों में समानता रहेगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक आवश्यकताएं भी समान रहेंगी। साथ ही दाम्पत्य संबंधों में एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में सफल होंगे। अतः जीवन सुखमय रहेगा।

Mr. Jatin का वर्ण वैश्य है तथा डेण च्त्तंजपड़ी का वर्ण ब्राह्मण है। अतः इसके प्रभाव से Mr. Jatin की प्रवृत्ति धनार्जन में रहेगी तथा धन को विशेष महत्व देंगे लेकिन डेण च्त्तंजपड़ी धार्मिक एवं शैक्षणिक कार्यों को करने में तत्पर रहेंगी।

धन

Mr. Jatin और डेण च्त्तंजपड़ी दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

स्वास्थ्य

Mr. Jatin की नाड़ी अन्त्य तथा डेण च्त्तंजपड़ी की नाड़ी मध्य है। अतः नाड़ी दोष से ये मुक्त रहेंगे तथा इसका इनके स्वास्थ्य पर कोई प्रभाव नहीं होगा परन्तु मंगल का डेण च्त्तंजपड़ी के स्वास्थ्य पर विशेष अशुभ प्रभाव रहेगा। इससे वे रक्त या पित संबन्धी परेशानियां प्राप्त करेंगी तथा गुप्त या धातु संबन्धी रोगों का भी उन्हें सामना करना पड़ सकता है। साथ ही मासिक धर्म संबन्धी अनियमिता से भी कष्ट की अनुभूति करेंगी। अतः इन प्रभावों में न्यूनता लाने के लिए डेण च्त्तंजपड़ी को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना तथा मंगलवार के उपवास करने चाहिए।

संतान

संतति के दृष्टि से Mr. Jatin एवं डेण च्त्तंजपड़ी का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उनको उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म के मध्य अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उनका उचित पालन पोषण करने में समर्थ होंगे। इसके अतिरिक्त इनकी पुत्र एवं कन्या संतति संख्या भी समान होगी।

यद्यपि डेण च्त्तंजपड़ी का प्रसव सामान्य विधि से सम्पन्न होगा परन्तु इसके प्रति डेण च्त्तंजपड़ी के मन में कई प्रकार से भय एवं चिन्ता की भावना रहेगी जिससे वे अनावश्यक मानसिक तनाव की अनुभूति करेंगी। अतः डेण च्त्तंजपड़ी को चाहिए कि ऐसे अनावश्यक भय एवं चिन्ता से मुक्त रहें तथा नियमित रूप से अपना गर्भावस्था में डाक्टरी परीक्षण आदि करवाती रहें। इससे डेण च्त्तंजपड़ी सामान्य रूप से सुंदर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी तथा ऐसे समय में स्वयं भी स्वस्थ तथा शांति की अनुभूति करेंगी। Mr. Jatin और डेण च्त्तंजपड़ी बच्चों से सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा वे भी अपने क्षेत्र में स्व योग्यता बुद्धिमता तथा व्यवहार कुशलता से प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे तथा अन्य सामाजिक जन भी उनसे प्रभावित तथा प्रसन्न रहेंगे माता पिता के प्रति उनके मन में समान भाव से आदर तथा आज्ञाकारिता रहेगी तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Mr. Jatin और डेण च्त्तंजपड़ी का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा आनंद पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

डेण च्त्तंजपड़ी के अपने ससुराल पक्ष के लोगों से अच्छे संबंध रहेंगे साथ ही अन्य जनों की अपेक्षा सास से संबंधों में अधिक मधुरता रहेगी। विवाह के बाद डेण च्त्तंजपड़ी अत्यंत ही धैर्य एवं परस्पर सामंजस्यता के भाव का पालन करेंगी। उनका यह धैर्य एवं सामंजस्यता का भाव भविष्य में उनके लिए अनुकूल सिद्ध होगा।

साथ ही ससुर के साथ भी सामंजस्य स्थापित करने में उन्हें कोई परेशानी नहीं होगी। अपनी मधुर वाणी एवं विनम्र व्यवहार से उनके हृदय को जीतने में समर्थ रहेंगी। इसी प्रकार अपनी मुक्त मित्रता की प्रवृत्ति के कारण देवर एवं ननदों से भी संबंध अनुकूल रहेंगे तथा उनकी ओर से डेण च्त्तंजपड़ी पूर्ण सहयोग अर्जित करने में समर्थ रहेंगी।

यद्यपि डेण च्त्तंजपड़ी अपनी ओर से समस्त ससुराल पक्ष के लोगों को सन्तुष्ट एवं प्रसन्न करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगी परन्तु इन लोगों से इन्हें कोई विशिष्ट सहयोग नहीं मिलेगा तथा संबंधों में औपचारिकता अधिक रहेगी।

ससुराल-श्री

Mr. Jatin के अपनी सास से मधुर संबंध रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य से इसमें निरन्तर वृद्धि होती रहेगी। सास को Mr. Jatin अपनी माता के समान आदर प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का भी ध्यान रखेंगे। साथ ही समय समय पर सपत्नीक उनके यहां मिलने जाया करेंगे जिससे संबंधों की प्रगाढ़ता में वृद्धि होगी।

ससुर के साथ भी Mr. Jatin के संबंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही उन का भी इनके प्रति विशेष वात्सल्य रहेगा। व्यक्तिगत मामलों तथा आपसी संबंधों में मित्रता का भाव भी दृष्टिगोचर होगा जिससे एक दूसरे की बातों का आदान प्रदान होता रहेगा। साथ ही साली एवं सालों से भी संबंधों में मित्रता सहानुभूति तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा एक दूसरे से औपचारिक संबंध रहेंगे।

इस प्रकार ससुराल के लोगों का दृष्टिकोण Mr. Jatin के प्रति सम्मानीय रहेगा तथा वे उनके व्यवहार से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।